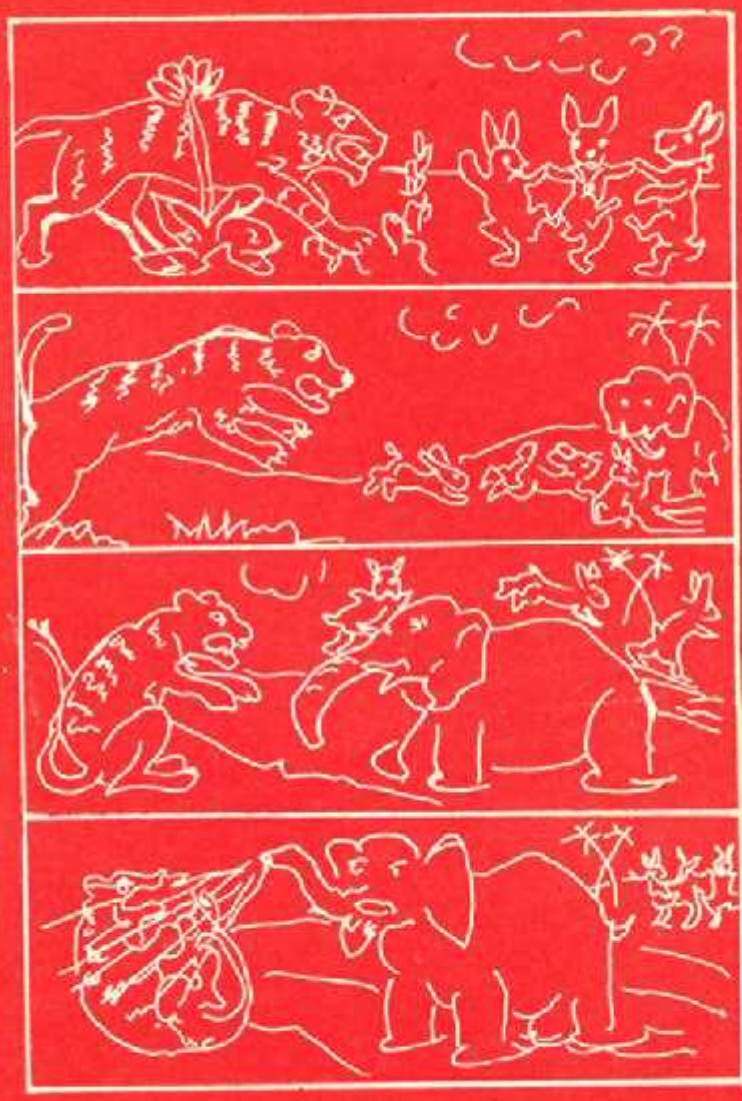

खुशी-खुशी

कक्षा - 1

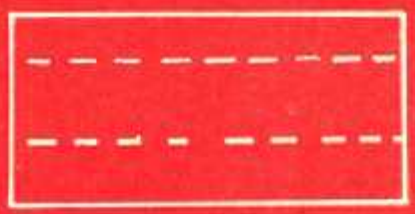

गुरुजी की

किताब

यह पुस्तक एकलव्य के प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के तहत तैयार एवं एकलव्य, अरेरा कॉलोनी, भोपाल द्वारा प्रकाशित की गई है। इस पुस्तक की सामग्री तैयार करने के लिए कई स्रोतों की मदद ली गई है।
मुद्रण : राजकमल ऑफसेट प्रिंटर्स, भोपाल। वर्ष 2001

अन्दर का कवर एवं पृष्ठ 1

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ, अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।

- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।

- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा कम करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।

- एक गतिविधि से कई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। गतिविधियाँ इस प्रकार से कराएँ कि पाठ्यक्रम की कई दक्षताओं का विकास हो सके।

गतिविधियाँ -

- चित्रों पर चर्चा- बच्चों का ध्यान चित्रों की ओर आकर्षित करें; क्या है, क्या हो रहा है, के अलावा।
- हाथी कहाँ है? दुकान में क्या-क्या है? यह क्या हो सकता है? जैसे प्रश्न भी पूछें।
- बच्चों को आपस में चित्रों पर बातचीत करने के लिये प्रोत्साहित करें।
- कुछ चित्रों को मिला कर कहानी/घटना सुनें-सुनाएँ। जैसे, एक दिन श्याम गाड़ी पर बैठ कर जा रहा था। उसे एक हाथी मिला। हाथी ने कहा...
- कुछ चित्र जैसे या को काल्पनिक नाम देकर पात्र बनाएँ।
- चित्रों में गिनने के अभ्यास करें।
- कविता/गीत गाना आगे बढ़ाना। कविता कई तरह से आगे बढ़ाई जा सकती है -

घोटल मोटल खोपरा खाए गाड़ी पे बैठ कर जतरा जाए
आगड़ बागड़ खोपरा खाए गाड़ी पे बैठ कर जतरा जाए
लछमी रानी.....

या

*घोटल मोटल खोपरा खाए **साईकिल** पे बैठ कर जतरा जाए....*

एकलव्य
चक्कर रोड मालवीड़ी
होशंगाबाद (म.प्र.) 461001
फोन (07574)

बच्चों को काल्पनिक चीज़ें जोड़ने के लिये प्रोत्साहित करें। जैसे कागज़ पर बैठकर बादल पर जाएँ।
- चित्रों में जतरा जाने या उस से संबंधित कौन से चित्र हैं?
- बच्चों के जतरा के अनुभवों पर चर्चा।
- खाली जगह पर बच्चे अपने मन से, अनुभव और कल्पना से चित्र बनाएँ।
- पृष्ठ1के ☐ में बच्चे अपना चित्र भी बनाएँ। चित्र के नीचे अपना नाम लिखें।

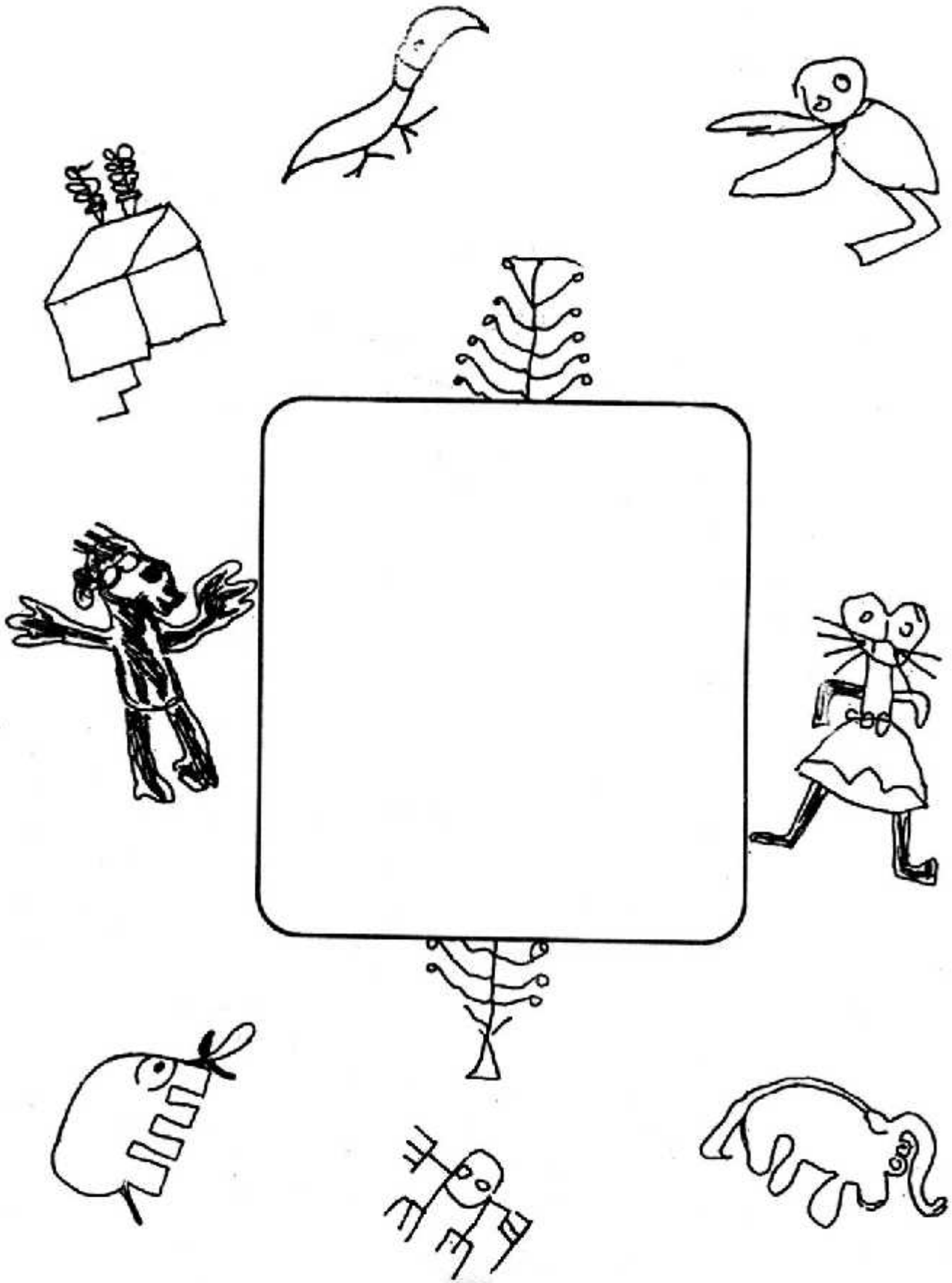

1

एक

- नाम कार्ड ढूँढने की गतिविधि। खाली कार्ड पर बच्चों के नाम लिख दें। तख्ते पर एक बच्चे का नाम लिखें, बच्चे अपना-अपना नाम कार्ड ढूँढें और अपनी पट्टी पर भी लिखें।

नोट- इन पन्नों पर दिये गये चित्र अलग-अलग बच्चों द्वारा बनाए गये हैं। ऐसे चित्र चुने गये हैं जिनमें चर्चा की अनेक संभावनाएँ हैं। इन पर चर्चा करते समय, यह क्या है? के उत्तर में एक उत्तर की अपेक्षा न करें परंतु जो भी बच्चा कहे, उसका कारण जानने की कोशिश करें, जैसे यदि..... को एक बच्चा बिल्ली कह सकता है, दूसरा कुछ और - मुख्य बात अपने कारण देने से हैं।

- बच्चों को अपनी तरह के चित्र बनाने के लिये प्रोत्साहित करें- आपके हिसाब से चित्र अच्छा या संतुलित बनाने पर बिल्कुल ज़ोर न दें। बच्चों ने जो चित्र बना लिए हैं, उनमें और चीज़ें जोड़ने के लिये प्रोत्साहित करें।

- घोटल मोटल वाली कविता बच्चों द्वारा स्वयं गाँवों में गाई जाती है। बच्चों के अपने गीतों को कक्षा में जगह देना, उनको पढ़ना सीखने की ओर प्रोत्साहित करने के लिये बहुत ज़रूरी है। आप बच्चों के और स्थानीय गीत, चाहे वे उनकी मातृभाषा में हों, भी कक्षा में गवाएँ।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं?(संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किसमें दिक्कत आई?

फल

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।
- सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।
- ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
- बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।
- एक गतिविधि से कई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। गतिविधियाँ इस प्रकार से कराएँ कि पाठ्यक्रम की कई दक्षताओं का विकास हो सके।

गतिविधियाँ -

- फल कविता एक्शन के साथ करना-कराना।
- चित्र पर चर्चा; कौन से फल दिख रहे हैं? पेड़ पर क्या होता है? कौन रहता है?
- बच्चों द्वारा बताए गये नाम तख्ते पर लिखना व उनका शब्द-चित्र कार्डों से मिलान करना।
- आसपास से अलग-अलग तरह की चीज़ें फल, फूल, बीज, पत्ती, तीली लाकर चीज़ें बनाना व उन पर बातचीत करना।
- फलों व पत्तियों के हरेक चित्र पर बारी-बारी से एक-एक कंकड़ रखना। फल और पत्ती अलग-अलग गिनना। कौन-सी चीज़ अधिक है?
- खाली जगह पर अन्य फल, फूल आदि के चित्र बनाना।
- शब्द-चित्र कार्डों में से फलों के कार्ड छाँटना। शब्द-चित्र कार्ड से देख कर चित्रों के नीचे फलों के नाम लिखना। शब्द-कार्डों से वाक्य बनाना, जैसे *आम का पेड़ है। सेब*——।
- कविता के शब्दों पर उंगली रखकर ज़ोर से पढ़ना। पन्ने में नीचे लिखे शब्द कविता में पहचानना।
- कुछ अक्षरों की पहचान जैसे *स र ट प ल* आदि। इनके अक्षर-कार्ड ढूँढना। इन अक्षरों से नए शब्द बनाना और पट्टी पर लिखना।

नोट- अक्षर पहचान के समय ध्यान रहे कि मात्रा-युक्त एवं बिना मात्रा के अक्षर अलग-अलग देखें जैसे ल-ली त-ती...
अक्षर आकृति एवं ध्वनि में सामंजस्य बैठाने की कोशिश करें।
किसी अक्षर को किसी विशेष शब्द से जोड़कर न कहें, जैसे स सरोते का न कहें।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं? (संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?

फल

चली हवा है सर सर सर
झड़ती पत्ती झर झर झर
टपक रहे हैं टप टप फल
ढूंढो इनमें कितने फल।

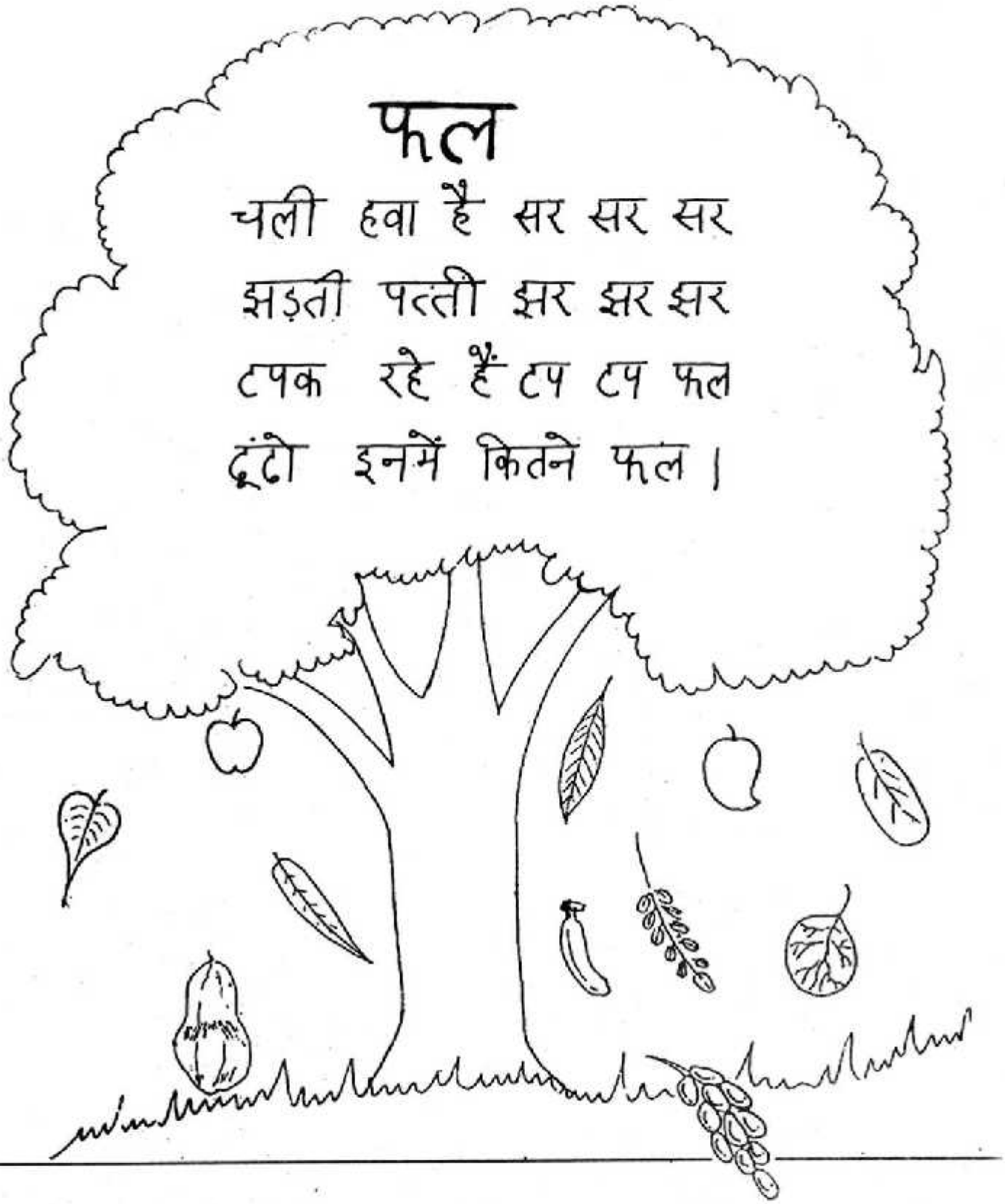

सर झर टप फल

बिल्ली और मछली

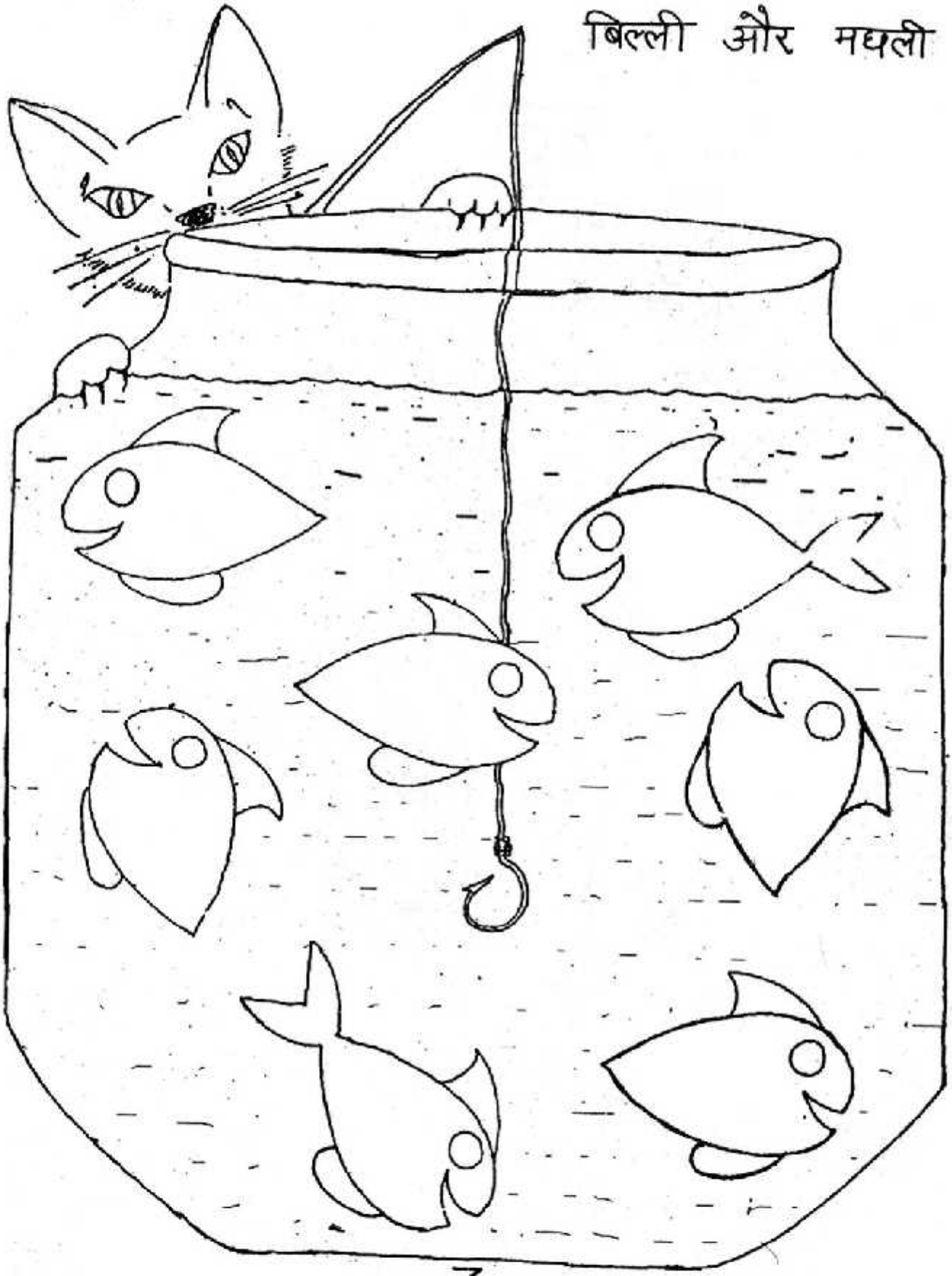

बिल्ली और मछली

सुझाई गई गतिविधियाँ केवल सुझाव मात्र हैं। इन्हें बदल कर भी कराया जा सकता है। इनके अलावा और गतिविधियाँ भी सोचें व कराएँ।

- *सभी गतिविधियाँ लगातार एक के बाद एक न कराएँ। अगले पन्नों की कुछ गतिविधियाँ करके वापस इस पन्ने पर लौटें।*
- *ठोस वस्तुओं व कार्डों का अधिक से अधिक उपयोग करें।*
- *बच्चों को बोलने के पर्याप्त मौके दें। मौलिकता व कल्पनाशीलता पर ज़ोर दें। शुद्ध उच्चारण व भाषा की अपेक्षा न करें। मातृ भाषा के उपयोग को न रोकें-टोकें।*
- *एक गतिविधि से कई दक्षताएँ विकसित की जा सकती हैं। गतिविधियां इस प्रकार से कराएँ कि पाठ्यक्रम की कई दक्षताओं का विकास हो सके।*

गतिविधियाँ -

- चित्र पर चर्चा करें व कहानी बना कर सुनाएँ। अच्छा हो अगर कहानी सुनाते-सुनाते चित्र की ओर ध्यान आकर्षित करें, जैसे दुर्गा ने एक बर्तन में मछलियाँ पाली थीं। कुछ बिना पूँछ की थी और कुछ पूँछ वाली। बिना पूँछ की मछलियों पर एक-एक कंकड़ रखो...
- बच्चों के सहयोग से कहानी आगे बढ़ाएँ। जैसे बिल्ली को पता चल गया कि दुर्गा के पास मछलियाँ हैं वह एक दिन मछलियां खाने आई... फिर क्या हुआ?
- चित्र में कई तरह की मछलियाँ हैं - ऊपर जाने वाली, नीचे जाने वाली, दाएँ व बाएँ जाने वाली, बिना पूँछ वाली आदि। अलग-अलग तरह की मछलियाँ गिनवाएँ और कम-ज़्यादा, बराबर का अहसास कराएँ। दुर्गा ने दो और मछली डालीं तो कितनी हुईं? बिल्ली ने एक मछली खाली तो कितनी बचीं? ऐसे सवालों पर चर्चा करो।
- कागज़ या पत्तों फाड़ कर मछलियों की पूँछ बनाकर मछलियाँ पूरी करवाएँ।
- बिल्ली, मछली, पानी व ज़मीन पर रहने वाले जीवों पर चर्चा, कविता आदि।
- मछली व बिल्ली का शब्द चित्र-कार्ड बच्चे ढूँढें। उसे देख कर हर मछली पर मछली लिखें।
- म से शुरू होने वाले और शब्द बोलना। तख्ते पर शिक्षक इन्हें लिखें बच्चे उतारें। अक्षर-कार्डों से मछली शब्द बनानना।

नोट - चित्र पर चर्चा करते समय बच्चों को बताएँ नहीं कि ये मछली है, ये बिल्ली है। बच्चों से स्वयं पूछें। बच्चे बताएंगे, भले ही अपनी भाषा में। यदि वे अपनी भाषा में बोलते हैं, तो उसे स्वीकारें और साथ में उन्हें हिन्दी का शब्द भी बताएँ।

इस पन्ने पर आपने कौन-सी गतिविधियाँ कराईं-

दिनांक	गतिविधि	दक्षताएँ	समय	सामग्री

आपने इस पन्ने पर अपनी तरफ से कौन-सी नई गतिविधियाँ बनाईं व कराईं ?(संक्षिप्त विवरण)

आपको व बच्चों को कौन-सी गतिविधियों में ज़्यादा मज़ा आया? किनमें दिक्कत आई?